

नोएडा में बाढ़ से 67 गांवों के 7000 लोग प्रभावित

3500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, पांच हजार से ज्यादा पशु बचाये गए

पायनियर समाचार सेवा | नोएडा



बाढ़ से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाती एनडीआरएफ और नोएडा पुलिस।

गोंतम बुद्ध नगर जनपद के 53 गांव यमुना नदी से और 14 गांव हिंडन नदी में 7210 लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें से 3610 व्यक्ति विस्थापित हुए हैं। वहाँ शुक्रवार को 2000 पशुओं को और 700 लोगों को बचाया गया। एडीसीपी शक्ति अवस्थी ने बताया कि सभी लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। अब मवेशियों को बाहर निकाला जा रहा है।

इस दौरान पानी का स्तर बढ़ाया जा रहा है। शाम पांच बजे तक यमुना का स्तर 200.60 मीटर तक पहुंच गया है। जहाँ कल तक घुटनों तक पानी आ रहा था वह पानी अब कमर तक पहुंच गया है। अच्छी बात ये है कि पानी का बहाव कम है। दर शाम तक मवेशियों को बाहर निकालने का सिलसिला जारी है। इस दौरान कुछ मवेशी अपने पैरों पर नहीं खड़े हो पा रहे हैं। वहाँ एक मवेशी का शव भी बाहर निकाला गया।

यमुना का ये ड्रूब क्षेत्र करीब 5 हजार हेक्टेयर में है। ये नोएडा प्राधिकरण अधिसूचित क्षेत्र है और यहाँ अवैध निर्माण न हो इसकी निगरानी का काम प्राधिकरण का है। निगरानी नहीं की गई और महज 10 सालों में यहाँ लगाया फॉर्म हाउस बन गए। इनका ध्वनि कार्रवाई के लिए कई बार नोटिस जारी किए गए, लेकिन हां बालोंजर बापास ही आया। विगत एक साल में यहाँ करीब 150 फॉर्म हाउस तोड़े गए।

इसके बाद माला हाईकोर्ट में चला गया। प्राधिकरण की कार्यवाही पर स्टेट लग गया। नोटीज़ ये हुआ कि यहाँ लोग नहीं रहे तो यमुना का ध्वनि कार्रवाई के लिए अन्दर कुछकाण्हों के नेतृत्व में एडीसीपी नोएडा शक्ति मोबाइल अवस्थी, एडीसीपी नोएडा प्रथम रजनीश कर्मा, एडीसीपी सोम्या सिंह एवं थाना प्रधारी एक्सप्रेस ब्रेक एन्ड आरएए की टीम है। इसके अलावा प्राधिकरण की टीम लगी हुई है। इसके अलावा आसपास के सैकड़ों का संख्या में ग्रामीणों ने मोर्चा संभाल रखा है।

यहाँ बने फॉर्म हाउस अवैध हैं इसलिए किसी ने इस ओर ध्वनि ही नहीं दिया। हालांकि दो से तीन बार अनाउंसमेंट जरूर किया गया। पानी होते हुए कि हथीरों कुंड बैराज से लाखों क्यूबिक पानी छोड़ा गया जिसे उसके बाद भी लोगों



बाढ़ से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाती एनडीआरएफ और नोएडा पुलिस।

बाढ़ से गाजियाबाद की 200 फैक्ट्रियां बंद

गाजियाबाद। यमुना और हिंडन नदी का

पानी 3 शहरों के 192 गांव और 28

कॉलोनियों में घुस चुका है। गाजियाबाद में

200 फैक्ट्री बंद करनी पड़ी हैं, जबकि नोएडा

में अलग-अलग कॉलोनियों में फैक्ट्रे करीब

3500 लोगों को रेस्यू किया गया है।

हालात इन्हें बढ़ा गया है कि खुद सामान योगी

को पहुंचना पड़ा। शुक्रवार को दून व्यवस्था

अन्दर कुछकाण्हों के नेतृत्व में एडीसीपी नोएडा शक्ति मोबाइल अवस्थी,

एडीसीपी नोएडा प्रथम रजनीश कर्मा एवं

एसोम्या सिंह एवं थाना प्रधारी एक्सप्रेस ब्रेक

एन्ड आरएए की टीम है। इसके अलावा अवस्था

की ध्वनि कार्रवाई की टीम है। अब यहाँ

बाढ़ से गांवों के बाहर नहीं फैल रही है।

यहाँ कोई दिक्कत नहीं है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया था उस दिन ये बताया कि

प्रमुख गांशाला सूखी है।

यहाँ कोई हात्ते गांव नहीं है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ज्यादा मवेशियों को बाहर नहीं निकाला गया। यहाँ नहीं जिस दिन पानी भर गया लोगों का

रेस्यू युक्त किया गया है। अब सबसे

ग्रामीण स्वयं तथा बच्चों व पशुओं को यमुना नदी की ओर न जाने दें : नेहा सिंह

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

उपायुक्त नेहा सिंह ने यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण बागपुर-मोहा रोड पर हुए सड़क कटाव तथा गांव गुरबाड़ी, प्रह्लादपुर का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। संबंधित विभागों के अधिकारियों से बातचीत कर विस्तार से जानकारी ली और वर्तमान स्थिति का जायजा लिया।

विभागीय अधिकारियों ने डीसी को अवगत करवाया कि बागपुर में जायदा पानी आगे के कारण यमुना के पानी से सड़क का कटाव हुआ है। अब इस कटाव पर काबू पाने के लिए विभाग द्वारा काम किया जा रहा है। उपायुक्त ने अपने निरीक्षण

के दौरान अधिकारियों ने निर्देशित करते हुए कहा कि जल्द से जल्द सड़क को दुरुस्त किया जाए। इस मौके पर उपायुक्त ने ग्रामीणों से भी बातचीत की। उहनें ग्रामीणों से कहा कि इस प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए जिला प्रशासन दिन-रात आपके सभी के सहयोग के लिए तत्पर है। जिले के सभी अधिकारी निरंतर स्थिति पर नजर रखे हुए हैं, किसी की घबराई की आवश्यकता नहीं है। प्रशासन पूरी तरह से आपकी सेवा के लिए तैयार है।

यमुना नदी में अधिक जल बहाव के कारण खेतों में जल भराव हो गया है और जल के बहाव ने नदी में पानी कम होने पर स्थिति



पानी के बहाव को रोकने के लिए सड़क पर आवश्यकतानुसार पिटटी के कटाव भरकर लगाए जा रहे हैं।

नियंत्रण में आ जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि यमुना नदी के किनारे बसे गांवों के लोग स्वयं तथा अपने बच्चों व पशुओं को नदी का बहाव

तेज व जल स्तर अधिक होने के कारण नदी के नजदीक न जाने दें।

इससे जान माल का खतरा हो सकता है। ग्रामीण इस बारे में पूरी

सावधानी बरतें। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह स्थिति पर निरंतर नजर रखा रखें और इसके साथ-साथ ग्रामीणों से भी संपर्क बनाए रखें।

इस दौरान उपायुक्त ने ग्रामीणों से कहा कि उन्हें यदि किसी सहायता की ज़रूरत है, तो वह इसकी जानकारी अवश्य उन्हें तुरंत सहायता मुहैया करवाई जाएगी। इस मौके पर एसडीएम पर नजर रखे हुए हैं, किसी की घबराई की आवश्यकता नहीं है। प्रशासन पूरी तरह से आपकी सेवा के लिए तैयार है।

पलवल में यमुना नदी का रोद स्पृष्ट चांदहट थाना दुबा, 14 गांव बने तालाब



पायनियर समाचार सेवा। पलवल

दिल्ली से सटे जिले पलवल में भी बाढ़ तबाही मचाने लगी है। यहां यमुना नदी ने ग्रैड रूफ ले लिया है। 50 किलोमीटर एस्ट्री में बहने वाली यमुना खतों के निशान से ऊपर बह रही है। करीब 14 गांवों में पानी भर गया है। मकानों में गर्मी की आवश्यकता है। करीब 16 हजार एकड़ में खड़ी फसल दुबा गई।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में बहती है, जिसे खादर कहते हैं। खादर से आई तबाही की तर्कीरें और चांदहटी से बर्बादी का अंदाजा लगाया जा सकता है। खादर खड़ी फसल से ऊपर बह रही है।

दिल्ली के निशान से ऊपर बहने वाली यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हुई है।

पलवल में यमुना 50 किलोमीटर एकड़ में खड़ी फसल

